www.epaper.azadsipahi.in

07 जुलाई, 2026
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, सप्तमी
संवत 2083
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
मंगलवार, वर्ष 11, अंक 257

राम मंदिर से चंपत राय की विदाई कृष्ण मोहन देखेंगे सारी व्यवस्था

कृषि पर अलनीनो के प्रभाव के प्रबंधन हेतु कृषि विज्ञान केंद्र में विशेष जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संतोष सिन्हा

बालूमाथ (आजाद सिपाही) । कृषि विज्ञान केंद्र, बालूमाथ, लातेहार में कृषि तकनीकों के माध्यम से खेती पर अलनीनो के प्रभाव के प्रबंधन हेतु एक दिवसीय जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम की शुरूआत ऑनलाइन माध्यम से राज्य के सभी जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों में एक साथ हुई, जिसका औपचारिक उद्घाटन बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. सी. दुबे द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के आरंभ में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. डी.के. शाही ने राज्य में अलनीनो के प्रभाव को देखते हुए विभिन्न

उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया, ताकि खेतों पर इसके दुष्प्रभावों को न्यूनतम किया जा सके। कुलपति ने किसानों को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण आंकड़ा साझा किया कि पूरे राज्य में जून महीने में सामान्य से करीब 60% कम वर्षा दर्ज की गयी है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसान भाई-बहनों को फसलों एवं उनके सही किस्मों के चयन में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कम से मध्यम अवधि में तैयार होने वाली धान की किस्मों को चुनने की आवश्यकता बताई और इसके साथ ही दलहन व तिलहन फसलों के उत्पादन पर विशेष बल दिया। उद्घाटन सत्र के संपन्न होने के बाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का तकनीकी सत्र शुरू हुआ। इस सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान एवं वरीय वैज्ञानिक डॉ. राजीव कुमार ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में फसलों और सब्जियों में सटीक जल प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तृत और व्यावहारिक जानकारी दी। वहीं मृदा विज्ञान के वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार ने खरीफ मौसम में कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों और उनकी विशेष किस्मों के बारे में विस्तार से बताया। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक गोपाल कृष्णा ने खरीफ मौसम में पौधों में लगने वाले कीड़ों और बीमारियों की जानकारी साझा की। उन्होंने एक चिंताजनक पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते मौसम के मिजाज के साथ कीड़ों में भी रोग प्रतिरोधक (इम्यून) क्षमता का विकास हो रहा है, जिस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्र के 4 विभिन्न प्रखंडों के 10 गांवों से आए 52 प्रगतिशील किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिद्धार्थ, मुनि सिंह, अशोक कुमार, संजय कुमार सहित प्रगतिशील किसान महावीर उरांव, मालती देवी, सुखदेव भोक्ता, बीरबल प्रजापति, राजेंद्र उरांव और शांति देवी आदि ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

7 जुलाई, 2026
कृषि विज्ञान केन्द्र, लातेहार

खेत बचाओ
अभियान

कृषि तकनीकों के माध्यम से कृषि पर अलनीनो प्रभाव के प्रबंधन हेतु जागरूकता अभियान

7 जुलाई, 2026

आयोजक

कृषि विज्ञान केन्द्र,

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची

श्रीम

कृषि,

जल संरक्षण एवं प्रबंधन
ड्रिप सिंचाई एवं जल संग्रहन

मृदा स्वास्थय संरक्षण
जैविक खाद एवं फसल चक्र

टिकाऊ कृषि प्रणाली
कृषि वानिकी एवं
फसल विविधीकरण

जलवायु परिवर्तन का सामना करने की हमारी प्रतिबद्धता